

प्रेषक,

डॉ० उमाकान्त पंवार,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
संस्कृति निदेशालय,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

संस्कृति, पर्यटन, खेलकूद अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक: 5 फरवरी, 2013

विषय:- जनपद देहरादून के अन्तर्गत ऋषिकेश कक्ष संख्या-2 में हिमालय एवं गंगा पर आधारित संग्रहालय की स्थापना हेतु 1.00 हे० वन भूमि का गैर वानिकी कार्यों हेतु संस्कृति विभाग को प्रत्यावर्तन।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-2727/सं०नि०उ०/पांच-51/2012-13 दिनांक 14 जनवरी, 2013 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि जनपद देहरादून के अन्तर्गत ऋषिकेश कक्ष संख्या-2 में हिमालय एवं गंगा पर आधारित संग्रहालय की स्थापना हेतु 1.00 हे० वन भूमि का गैर वानिकी कार्यों हेतु संस्कृति विभाग को प्रत्यावर्तन हेतु एन०पी०वी० की धनराशि ₹26,25,364.00 मात्र (द्विषीस लाख पच्चीस हजार तीन सौ चौसठ मात्र) मात्र की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुए इतनी ही धनराशि आपके निर्वतन पर रखते हुए व्यय किये जाने की स्वीकृति निम्न शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

2- उक्त स्वीकृत धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ स्वीकृत की जाती है कि उक्त के सम्बन्ध में वित्त विभाग के शासनादेश सं०-321/XXVII(1)/2012 दिनांक 19 जून, 2012 में निहित शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा तथा परियोजना क्रियान्वयन की समयबद्धता भी सुनिश्चित की जायेगी। मितव्ययी मदों में आवंटित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाय। यहाँ यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता जिसे व्यय करने के लिए बजट मैनुअल वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों एवं अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है। ऐसा व्यय सम्बन्धित की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिए। स्वीकृत धनराशि का व्यय करने से पूर्व, अपर मुख्य, वन संरक्षक एवं नोडल अधिकारी, वन संरक्षण, देहरादून, उत्तराखण्ड के पत्रांक- 2327/1 जी-3241 (दे०दून) दिनांक 27-4-2012 के शर्त संख्या- 4 से 7 के कार्यों हेतु वास्तविक देय धनराशि की नियमानुसार पुष्टि कर ली जायेगी।

3- उक्त धनराशि उन्हीं मदों पर व्यय की जाय जिसके लिए स्वीकृत की जा रही है। व्यय में मितव्ययता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी किये गये शासनादेशों में निहित निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन किया जाय। स्वीकृत धनराशि के व्यय के विवरण शासन तथा महालेखाकार को नियमित रूप से भेजे।

....(2)

①

- 4- व्यय बजट एवं परिव्यय की सीमान्तर्गत रहते हुए ही किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।
- 5- उक्त स्वीकृत धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ स्वीकृत की जाती है कि मितव्ययी मदों में आवंटित सीमा तक ही सीमित रखा जाय, साथ ही जिन मदों के लिए बजट मैनुअल या वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने के पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है। ऐसा व्यय करने से पूर्व शासन/सम्बन्धित अधिकारी की स्वीकृति भी अनिवार्य रूप से प्राप्त कर ली जाय। व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है। व्यय करते समय मितव्ययता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी किये गये शासनादेशों में निहित निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
- 6- वित्तीय हस्त पुस्तिका (खण्ड-5) भाग-1 के अध्याय 16-क-अनुच्छेद 369 के सुसंगत प्राविधानों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा तथा धनराशि तभी प्रदान की जाये जब सम्बन्धित द्वारा सूचना के अधिकार अधिनियम, 2005 के अनुपालन का शपथ पत्र प्रदान किया जाये।
- 7- उक्त धनराशि उन्हीं मदों पर व्यय की जाय, जिन मदों हेतु स्वीकृत की जा रही है। अन्य किसी मद में व्यय नहीं किया जायेगा।
- 8- उपरोक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2012-13 अनुदान संख्या-11 के लेखाशीर्षक 4202-शिक्षा खेलकूद तथा संस्कृति पर पूंजीगत परिव्यय-04-कला एवं संस्कृति-106-संग्रहालय-03- संग्रहालय भवन सम्बन्धी निर्माण-00-24-वृहत निर्माण कार्य मानक मद के आयोजनागत पक्ष के नामें डाला जायेगा।
- 9- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-211(P)/XXVII(3)/2012-13 दिनांक: 11 फरवरी, 2013 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

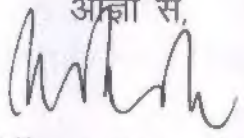
भवदीय,

(डॉ० उमाकान्त पंवार)
सचिव।

पृष्ठांकन संख्या- 50 / VI-2 / 2013-72(1)2010 तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, सहारनपुर रोड़, देहरादून।
2. वित्त अधिकारी, साईबर ट्रेजरी, देहरादून
3. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-3, उत्तराखण्ड देहरादून।
4. अपर प्रमुख वन संरक्षक एवं नोडल अधिकारी, वन संरक्षण, भूमि सर्वेक्षण निदेशालय, इन्दिरा नगर फॉरेस्ट कालोनी, देहरादून उत्तराखण्ड।
5. एन0आई0सी0, सचिवालय देहरादून।
6. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(डॉ० उमाकान्त पंवार)
सचिव।